AC – 07/07/2023
Item No. – 5.10 (N)

As Per NEP 2020

University of Mumbai

Title of the program

A- P.G. Diploma in Hindi } **2023-24**
B- M.A. (Hindi) (Two Year) }
C- M.A. (Hindi)(One Year) - **2027-28**

Syllabus for

Semester – Sem I& II

Ref: GR dated 16th May, 2023 for Credit Structure of PG

Preamble

1) Introduction

हिंदी विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में एक है जिसका साहित्य लगभग 1300 वर्ष पुराना है। इन तेरह सौ वर्षों में अधिकांश भारतीय जनमानस ने जो चिंतन किया, जो जीवन जिया, उनकी आस्थाओं, विश्वासों, स्वप्नों तथा नीतिमत्ताओं का साक्षात प्रमाण है हिंदी साहित्य।

अतीत का गौरव हो या भक्ति का संस्कार या समता-बंधुत्व तथा न्याय की स्थापना, हिंदी साहित्य ने इसका प्रतिमान रचा है।

इस गौरवशाली भूमिका के अतिरिक्त आज रोज़गार की भाषा के रूप में हिंदी बड़ी तेज़ी से विकसित होती जा रही है। जनसंचार माध्यम, सिनेमा, नाटक, विज्ञापन, राजभाषा, अनुवाद आदि के क्षेत्र में हिंदी का वर्चस्व निरंतर बढ़ रहा है।

उच्च शिक्षा में हिंदी भाषा और साहित्य की भूमिका अब हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण होने जा रही है। ऐसे में हिंदी की स्नातकोत्तर पढ़ाई वर्तमान शिक्षा पद्धति में बेहद ज़रूरी हो गई है।

2) Aims and Objectives

हिंदी की स्नातकोत्तर शिक्षा से विद्यार्थियों में एक ओर अपनी प्रतिभा को अपनी भाषा में निखारने का एक अवसर प्राप्त होगा। अपनी साहित्यिक परंपरा और भाषिक अवदान को समझने तथा उसका आधार लेकर अपने वर्तमान को संवारने का कौशल प्राप्त होगा।

साहित्य के माध्यम से भारतीय मूल्य परंपरा को समझने तथा जीवन की सार्थकता को पहचानने की एक दृष्टि प्राप्त होगी।

इन नैतिक और आत्मिक उपलब्धियों के साथ ही भाषा आधारित रोज़गार तथा साहित्य और जनमाध्यमों में आवश्यक कौशल विकास द्वारा अपने भविष्य और राष्ट्र के वर्तमान को संवारने का अवसर भी प्राप्त होगा।

3) Learning Outcomes

हिंदी की स्नातकोत्तर शिक्षा से विद्यार्थियों को निम्नलिखित उपलब्धियां हो सकती हैं -

1. **भाषा की सही समझ और उचित प्रयोग की क्षमता का विकास।**
2. **साहित्य के अध्ययन से भारतीय चिंतन परंपरा का सार्थक ज्ञान ।**
3. **साहित्य रसास्वादन से संवेदनशीलता तथा न्यायप्रियता का विकास।**
4. **नाटक एवं रंगमंच के शिक्षण-प्रशिक्षण के माध्यम से मानवीय भावों तथा मनोविज्ञान की सही समझ का निर्माण।**
5. **नाटक, रंगमंच, सिनेमा, टेलिविज़न आदि जनमाध्यमों के योग्य प्रतिभा का विकास।**
6. **अनुवाद कला के प्रशिक्षण द्वारा अन्य भाषाओं के साहित्य को हिंदी में लाकर हिंदीभाषी जनमानस का बौद्धिक एवं आत्मिक क्षितिज विस्तृत करने में सहयोग।**
7. **भाषा आधारित रोज़गार तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं के योग्य बनने में सहायक।**

4) Any other point (if any)

हिंदी भाषा वर्तमान में बाज़ार की भाषा बन चुकी है जिसमें भाषा आधारित रोज़गार की अपार संभावनाएं हैं।

5) Baskets of Electives

प्रत्येक सत्र में 10 ऐच्छिक विषयों की व्यवस्था की गई है जिनमें लगभग सभी आंतरअनुशासनिक प्रकृति के हैं

6) Credit Structure of the Program (Table as per ifjf'k"V 1 with sign of HOD and Dean)

One module of 2 credits and One paper has 2 modules. In each semester students will study for minimum 20 credits maximum 22 credits. Thus the total no of credits per semester will be minimum 40 credits and maximum 44 credit

R_____

Post Graduate Programs in University

Year (2 Yr PG)	Level	Sem. (2 Yr)	Major		RM	OJT / FP	RP	Cum. Cr.	Degree
			Mandatory*	**Electives Any one**					
I	6.0	Sem I	1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) Credits 4 2 भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन Credits 4 3 भाषा विज्ञान Credits 4 4 हिंदी नाटक Credits 2	**Credits 4** 1 नाटक और रंगमंच Or 2 हिंदी पत्रकारिता Or 3 छायावाद : विशेष अध्ययन Or 4 ललित निबंध : विशेष अध्ययन Or 5 स्त्री विमर्श Or 6 उपनिवेशवादी साहित्य और समीक्षा Or 7 साहित्य का इतिहास दर्शन Or 8 साहित्य का समाजशास्त्र Or 9 आधुनिक हिंदी महाकाव्य Or 10 ग़ज़ल	4 शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया			22	**PG Diploma (after 3 Year Degree)**

Year (2 Yr PG)	Level	Sem. (2 Yr)	Major		RM	OJT / FP	RP	Cum. Cr.	Degree
			Mandatory*	**Electives Any one**					
I	**6.0**	**Sem I**	1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) Credits 4 2 भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन Credits 4 3 भाषा विज्ञान Credits 4 4 हिंदी नाटक Credits 2	**Credits 4** 1 नाटक और रंगमंच Or 2 हिंदी पत्रकारिता Or 3 छायावाद : विशेष अध्ययन Or 4 ललित निबंध : विशेष अध्ययन Or 5 स्त्री विमर्श Or 6 उपनिवेशवादी साहित्य और समीक्षा Or 7 साहित्य का इतिहास दर्शन Or 8 साहित्य का समाजशास्त्र Or 9 आधुनिक हिंदी महाकाव्य Or 10 ग़ज़ल	4 शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया			22	**PG Diploma (after 3 Year Degree)**

		Sem II	1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) Credits 4 2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन Credits 4 3 भाषा विज्ञान Credits 4 4 अनुवाद Credits 2	**Credits 4** 1 लोक साहित्य Or 2 हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि Or 3 सृजनात्मक लेखन Or 4 तुलनात्मक साहित्य Or 5 सोशल मीडिया और हिंदी Or 6 अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान Or 7 वृत्तचित्र एवं लघु फ़िल्म निर्माण एवं प्रविधि Or 8 सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी Or 9 सिनेमा अध्ययन Or 10 राजभाषा हिंदी		4 विभाग एवं विद्यार्थी अपनी सुविधा से विषय एवं संस्थान का चयन करें		**22**	
Cum. Cr. For PG Diploma			**28**	**8**	**4**	4	**-**	**44**	
Exit option: PG Diploma (44 Credits) after Three Year UG Degree									

II	**6.5**	**Sem III**	1 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – १ Credits 4 2 जनसंचार माध्यम Credits 4 3 आधुनिक पद्य Credits 4 4 प्रयोजनमूलक हिंदी Credits 2	**Credits 4** 1 साहित्य और सिनेमा Or 2 हिंदी कथेतर साहित्य Or 3 भारतीय साहित्य Or 4 अल्पसंख्यक विमर्श Or 5 हिंदी दलित साहित्य Or 6 कबीर : विशेष अध्ययन Or 7 हिंदी आदिवासी साहित्य Or 8 मराठी से अनूदित साहित्य Or 9 उर्दू से अनूदित साहित्य Or 10 साहित्य का सौंदर्यशास्त्र			4 प्रकल्प लेखन	22	**PG Degree After 3- Yr UG**

		Sem IV	1 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – २ Credits 4 2 विविध विमर्श एवं साहित्य Credits 4 3 आधुनिक गद्य Credits 4	**Credits 4** 1 भारतीय भक्ति काव्य Or 2 प्रेमचंद : विशेष अध्ययन Or 3 प्रसाद विशेष अध्ययन Or 4 यशपाल विशेष अध्ययन Or 5 हजारीप्रसाद द्विवेदी विशेष अध्ययन Or 6 प्रवासी साहित्य Or 7 यात्रा साहित्य Or 8 उपन्यास : विशेष अध्ययन Or 9 कहानी : विशेष अध्ययन Or 10 समकालीन हिंदी कविता			6 प्रकल्प लेखन	22	
Cum. Cr. for 1 Yr PG Degree			**26**	**8**			**10**	**44**	
Cum. Cr. for 2 Yr PG Degree									

Note: * The number of courses can vary for totaling 14 Credits for Major Mandatory Courses in a semester as illustrated.

Mandatory
SEM I

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**History of Hindi Literature (हिंदी साहित्य का इतिहास)**
PAPER NO.	**1**
COURSE CODE	**33501**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Pre requisite :

Three year under graduation or four year under graduation course from any faculty.

Course outcomes:

क) इतिहास की समझ और इतिबोध की अवधारणा स्पष्ट होगी
ख) विगत १३०० वर्षों के मध्य-भारत के चिंतन और सृजन से परिचय
ग) भक्ति के उद्भव और विकास की जानकारी स्पष्ट होगी
घ) श्रृंगार, कला तथा मध्यकालीन भारतीय वैभव की पहचान होगी.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन
ख) हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ
ग) काल विभाजन और नामकरण

Unit 2 :

क) आदिकाल : अवधारणा, परिवेश और प्रवृत्तियाँ
ख) आदिकालीन काव्यधाराएँ - बौद्ध, जैन, सिद्ध, नाथ, रासो
ग) सरहपा, विद्यापति, अमीर खुसरो

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) भक्ति आंदोलन एवं काव्य : उद्भव और विकास
ख) निर्गुण काव्य : शाखाएँ एवं प्रवृत्तियाँ - संतकाव्य एवं सूफीकाव्य

ग) सगुण भक्ति : शाखाएँ एवं प्रवृत्तियाँ – रामकाव्य एवं कृष्णकाव्य

Unit 4:

क) रीतिकाल : परिवेश, उद्भव और विकास

ख) रीतिबद्ध एवं रीतिसिद्ध : कवि एवं काव्य प्रवृत्तियाँ

ग) रीति मुक्त : कवि एवं काव्य प्रवृत्तियाँ

References :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र (संपादक), मयूर पेपरबैक, नई दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर प्रकाशन, आगरा।
5. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ डॉ. – शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर।
12. आधुनिक हिंदी साहित्य : वाद, प्रवृत्तियाँ एवं विमर्श
12. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. पूरनचंद टंडन, डॉ. विनिता कुमारी, जगतराम एण्ड सन्स प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र और डॉ. हरदयाल (संपादक) नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
14. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
16. नई कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा, भारती प्रेस प्रकाशन, इलाहाबाद।
17. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
18. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास - भाग तीसरा, चौथा और पांचवां, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Indian poetics & criticism** (भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन)
PAPER NO.	**2**
COURSE CODE	**33502**
LACTURE	**60**

INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Pre requisite :

Three year under graduation or four year under graduation course from any faculty.

Course outcomes:

क) भारतीय सौंदर्यशास्त्र की अवधारणा स्पष्ट होगी
ख) काव्य सृजन और रसास्वादन के सिद्धांतों से परिचय
ग) जीवन में कविता का महत्त्व तथा कविता की ज़रूरत की पहचान
क) भारतीय काव्यचिंतकों के सृजन और जीवन का परिचय

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) रस : परिभाषा, स्वरूप, रस के अवयव, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण
ख) अलंकार सिद्धांत की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण
ग) रीति : अवधारणा, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

Unit 2 :

क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
ख) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
ग) नंददुलारे वाजपेयी

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) प्लेटो – काव्य चिंतन
ख) अरस्तू – अनुकरण, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत
ख) लोंजाइन्स – उदात्त की अवधारणा

Unit 4:

क) अभिजात्यवाद
ख) स्वछंदतावाद

ख) मार्क्सवाद

References :

1. रस सिद्धांत – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, एडिशन 2019
2. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. भारतीय काव्यशास्त्र : नई व्याख्या – डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद।
4. हिंदी साहित्य समीक्षा – श्रीमूर्ति सुब्रह्मराय, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग।
5. साहित्य समीक्षा – रामरतन भटनागर, किताब महल, इलाहाबाद।
6. साहित्य समीक्षा – कालिदास कपूर, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1921
7. कला की ज़रूरत – राजकमल प्रकाशन–अन्सर्ट फिशर, अनुवाद – रमेश उपाध्याय
8. हिंदी का गद्य पर्व – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. आलोचना और विचारधारा नामवर सिंह –आशीष त्रिपाठी (संपा.), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : आलोचना के नए मानदंड – भवदेय पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. सांस्कृतिक आलोचना और हजारीप्रसाद द्विवेदी –रामकिशोर त्रिपाठी (संपा.), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. हिंदी समीक्षा और आचार्य शुक्ल नामवर सिंह –ज्ञानेंनद्र कुमार संतोष(संपा.), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. काव्य परिचय – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, पुस्तक संस्थान 109/ 50–ए, नेहरूनगर, कानपुर।
17. काव्यशास्त्र के मानदंड – रामनिवास गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
18. भारतीय काव्य विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2000
19. साहित्यालोचन के सिद्धांत – रवींद्र कुमार जैन, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली।
20. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
21. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (द्वितीय भाख) – गोविंद त्रिगुणायत, एस चंद एंड कंपनी (प्रा.) लि. रामनगर, नई दिल्ली।
22. काव्य के तत्व – आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
24. साहित्य विवेचन – क्षेमचंद्र 'सुमन', योगेंद्र कुमार मल्लिक, आत्माराम एंड संस, दिल्ली।
25. साहित्य–विविधा – रमेशचंद्र लवानिया – अमित प्रकाशन, गाजियाबाद।

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Linguistics** (भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा)
PAPER NO.	**3**
COURSE CODE	**33503**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Pre requisite :

Three year under graduation or four year under graduation course from any faculty.

Course outcomes:

क) भाषा एवं संप्रेषण के वैज्ञानिक पक्ष की पहचान

ख) हिंदी भाषा के विकास की परंपरा का पड़ताल

ग) भाषिक प्रयुक्तियों की जानकारी
क) भाषिक कौशल का विकास

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) भाषा – परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था, भाषा व्यवहार
ख) भाषिक संरचना और भाषिक प्रकार
ग) भाषा विज्ञान – परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र एवं दिशाएँ

Unit 2 :

क) संसार की भाषाओँ का वर्गीकरण
ख) आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण
ग) भाषा और संप्रेषण – मानव एवं मानवेत्तर

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) स्वन विज्ञान : वर्गीकरण, स्वरूप, वाग अवयव और उनके कार्य
ख) स्वन, स्वन गुण, स्वनिम एवं संस्वन
ग) स्वन परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

Unit 4:

क) रूप विज्ञान : रूप विज्ञान का स्वरूप, शब्द और रूप, रूपिम और संरूप
ख) शब्द और रूप, अर्थ तत्त्व एवं संबंध तत्त्व
ग) रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

References :

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2. हिन्दी भाषा और लिपि – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग।
3. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण – श्यामचन्द्र कपूर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – डॉ. संतोष चौधरी, कनक सक्सेना, आस्था प्रकाशन, जयपुर।

8. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
9. हिन्दी व्याकरण – पं. कामता प्रसाद गुरु, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी।
10. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त – डॉ. राम किशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
12. हिन्दी शब्दानुशासन – आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।
13. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. हिन्दी भाषा इतिहास और संरचना – डॉ. हरिश्चंद्र पाठक, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. मानक हिन्दी व्याकरण – डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
16. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
17. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण - डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपूर
18. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपूर
19. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास - भाग दूसरा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Hindi Drama** (हिंदी नाटक)
PAPER NO.	**4**
COURSE CODE	**33504**
LACTURE	**30**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**2 & 100**

Course outcomes:

क) कला और साहित्य की प्राचीनतम विधा से परिचय प्राप्त करना.

ख) हिंदी नाटकों के विकास और रंगमंच की जानकारी प्राप्त करना.

ग) नाटक का तात्त्विक परिचय प्राप्त करना.

क) नाटक और रंगमंच के अंत:संबंध का ज्ञान प्राप्त करना.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1:

क) नाट्य और नाटक : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप

ख) नाटक और रंगमंच, रंग विमर्श

ग) नाटक के तत्त्व, विशेषताएँ

Unit 2 :

क) प्रयोगधर्मी नाटक का स्वरूप

ख) आधे-अधूरे (नाटक) – मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

ग) आधे अधूरे – विविध संदर्भ

References :

1. हिंदी नाटक के पांच दशक – कुसुम खेमानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2015
2. हिंदी नाटक कल और आज – केदार सिंह, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, दिल्ली, 2005
3. आधुनिक हिंदी नाटक – गिरीश रस्तोगी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर, 1968
4. हिंदी नाटक और रंगमंच : नई दिशाएं, नए प्रश्न, – गिरीश रस्तोगी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श – जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2015
6. हिंदी नाटककार – जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1961
7. नाट्य निबंध – दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1972
8. हिंदी नाटक बदलते आयाम – नरेंद्रनाथ त्रिपाठी, विक्रम प्रकाशन, दिल्ली, 1987
9. आधुनिक हिंदी नाटककारों के नाटक सिद्धांत – निर्मला हेमंत, अक्षर प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली।
10. रंगदर्शन – नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1982
11. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाश, दिल्ली, 2008
12. आधुनिक हिंदी नाटक – बनवीर प्रसाद शर्मा, अनग प्रकाशन, दिल्ली, 2001
13. नाटक : विवेचना और दृष्टि – डॉ. मोहसिन ख़ान – अमन प्रकाशन, कानपुर 2021
14. भारतीय नाट्य शास्त्र और रंगमंच – रामसागर त्रिपाठी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1971

Elective Any One

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Natak aur Rangmanch (नाटक एवं रंगमंच)**
PAPER NO.	**5**
COURSE CODE	**3350511**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) सबसे प्राचीन प्रदर्शनकारी कला के उदय और विकास की जानकारी.

ख) आधुनिक रंगमंच और नाट्यलेखन के अंत:संबंध की पड़ताल.

ग) नाटक के तात्विक स्वरूप की समझ विकसित करना.

क) व्यवसाय के रूप में नाटक और रंगमंच के संभावनाओं की तलाश.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) हिंदी रंगमंच के उदय की पृष्ठभूमि

ख) नई रंग तकनीक और समकालीन रंगमंच

ग) नाटक और नाट्यशिक्षण

Unit 2 :

क) नाटक की प्रक्रिया, संधियाँ

ख) नाट्य निर्देशन

ग) व्यावसायिक रंगमंच

MODULE II : **(2 CREDITS)**

Unit 3:

क) अव्यावसायिक रंगमंच

ख) नाट्य रस-सिद्धांत

ग) लोक नाटक

Unit 4:

क) रंगमंच के सिद्धांत

ख) रंगमंच प्रकार

ग) कहानी का रंगमंच

References :

1. हिंदी नाटक के पांच दशक – कुसुम खेमानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2015
2. हिंदी नाटक कल और आज – केदार सिंह, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, दिल्ली, 2005
3. आधुनिक हिंदी नाटक – गिरीश रस्तोगी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर, 1968
4. हिंदी नाटक और रंगमंच : नई दिशाएं, नए प्रश्न, – गिरीश रस्तोगी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श – जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2015
6. हिंदी नाटककार – जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1961
7. नाट्य निबंध – दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1972
8. हिंदी नाटक बदलते आयाम – नरेंद्रनाथ त्रिपाठी, विक्रम प्रकाशन, दिल्ली, 1987
9. आधुनिक हिंदी नाटककारों के नाटक सिद्धांत – निर्मला हेमंत, अक्षर प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली।
10. रंगदर्शन – नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1982
11. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाश, दिल्ली, 2008
12. आधुनिक हिंदी नाटक – बनवीर प्रसाद शर्मा, अनग प्रकाशन, दिल्ली, 2001
13. नाटक : विवेचना और दृष्टि – डॉ. मोहसिन ख़ान – अमन प्रकाशन, कानपुर 2021
14. भारतीय नाट्य शास्त्र और रंगमंच – रामसागर त्रिपाठी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1971
15. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास - भाग ग्यारहवाँ, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I

PAPER NAME	Journalism (हिंदी पत्रकारिता)
PAPER NO.	6
COURSE CODE	3350512
LACTURE	60
INTERNAL ASSESSMENT	50
EXTERNAL ASSESSMENT	50
CREDITS & MARKS	4 & 100

Course outcomes:

क) पत्रकारिता के स्वरूप और महत्त्व से परिचित कराना.

ख) पत्रकारिता के विविध अंगों का परिचय एवं प्रशिक्षण.

ग) अपने वर्तमान के प्रति सजगता और विश्लेषण का विकास.

क) पत्रकारिता में रोज़गार की क्षमता विकसित करना.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) पत्रकारिता : उद्भव और विकास

ख) हिंदी पत्रकारिता का विकास

ग) स्वाधीनतापूर्व हिंदी संपादक

Unit 2 :

क) संपादन : अवधारणा, उद्देश्य तथा सामान्य सिद्धांत

ख) संपादक, उपसंपादक और संवाददाता

ग) संपादकीय लेखन

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) समाचार लेखन

ख) समाचार की भाषा

ग) फ़ीचर लेखन

Unit 4:

क) पत्रकारिता के प्रकार
ख) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता
ग) समकालीन पत्रकारिता : महत्त्व और प्रासंगिकता

References :

१. पत्रकार और पत्रकारिता - डॉ. रमेश जैन
२. आजादी के पचासवर्ष और हिंदी पत्रकारिता - डॉ. सविता चड्ढा
३. समाचार व्यवस्थापन - अनंत गोपाल शेवडे
४. पत्रिका : संपादन कला -डॉ. रामचंद्र तिवारी
५. मीडिया और साहित्य- सुधीश पचौरी
६. समाचार, फीचर लेखन और संपादन कला- डॉ. हरिमोहन
७. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत -डॉ. नवीनचंद्र पंत
८. आधुनिक पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी
९.जनसंचार और पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी
१०.पत्रकारिता मिशन से मीडियातक - अखिलेश तिवारी
११. सूचना का अधिकार विष्णु राजगढ़िया, अरविंद केजरीवाल
१२. पत्रकारिता : नया दौर नए प्रतिमान - संतोष भारतीय
१३.समाचार संपादन- कमल दीक्षित, महेश दर्पण
१४. भेंटवार्ता और प्रेस कॉन्फ्रेंस -प्रो. नंद किशोर त्रिखा
१५.खेल पत्रकारिता - सुशील दोषी, सुरेश कौशल
१६.सूचना प्रद्योगिकी और समाचार पत्र - रवीन्द्र शुक्ला

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Special study of Chhayawad (छायावाद : विशेष अध्ययन)**
PAPER NO.	**7**
COURSE CODE	**3350513**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) महायुद्ध काल की साहित्यिक प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त करना

ख) हिंदी कविता पर पश्चिमी प्रभाव की समझ का विवेचन प्राप्त करना
ग) छायावादी कविता के सामाजिक-सांस्कृतिक अवदान का परिचय
क) छायावादी कविता के सांस्कृतिक योगदान की समझ विकसित करना.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) छायावाद – पृष्ठभूमि, नामकरण उद्भव, विकास
ख) छायावाद की विशेषताएँ
ग) छायावाद और स्वछंदतावाद

Unit 2 :

क) छायावाद : भाषा एवं छंद योजना
ख) छायावाद : कल्पना, बिंब
ग) छायावाद : प्रतीक, मिथक

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) कामायनी – जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, इलाहाबाद
ख) कामायनी : अंतर्वस्तु
ग) कामायनी : आलोचना

Unit 4:

क) निराला : बादल राग, जूही की कली, वह तोड़ती पत्थर, सरोज स्मृति, जागो फिर एक बार
ख) पंत : स्वप्न और सत्य, भारत ग्राम, नारी, ग्राम देवता, मानव
ग) महादेवी वर्मा : जब यह दीप थके, जो तुम आ जाते एक बार, मिटने का अधिकार, निर्वाण, अभिमान

पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि छायावादी कविताएँ – संपा. हिंदी पाठ्यक्रम समिति, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

References :

१. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी
२. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग
३. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
४. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह
५. छायावाद : पुनर्मुल्यांकन – सुमित्रानंदन पंत
६. काव्य कला और अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद

७. छायावाद युग – शंभूनाथ सिंह
८. आधुनिक हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह
९. कवि प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
१०. निराला की साहित्य साधना (तीन खंड) – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
११. महीयसी महादेवी – गंगाप्रसाद पांडेय, राजकमल प्रकाशन
१२. पल्लव – पंत
१३. जयशंकर प्रसाद महानता के आयाम : डॉ. करुनाशंकर उपाध्याय

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Special study of Lalit Nibandh (ललित निबंध : विशेष अध्ययन)**
PAPER NO.	**8**
COURSE CODE	**3350514**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:
क) बीसवीं सदी की प्रमुख विधा की पहचान
ख) भारतीय संस्कृति के विविध आयामों का ज्ञान
ग) भारतीय चिंतन परंपरा की पहचान
क) भारतीय साहित्य और ग्राम का रसात्मक परिचय.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) ललित निबंध : अवधारणा, स्वरूप, उद्भव

ख) हिंदी ललित निबंध का विकास

ग) ललित निबंध तात्त्विक विवेचन

Unit 2 :

क) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की लालित्य योजना

ख) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों में संस्कृति

ग) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के ललित निबंध : अशोक के फूल, कुटज, आम फिर बौरा गए, नाख़ून क्यों बढ़ते है, शिरीष

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) पं. विद्यानिवास मिश्र की लालित्य योजना

ख) पं. विद्यानिवास मिश्र के ललित निबंधों में ग्राम संस्कृति

ग) पं. विद्यानिवास मिश्र के ललित निबंध : टिकोरा, घने नीम तरु तले, धनवा पियर भइले, मनवा पियर भइले, हरसिंगार, होरहा

Unit 4:

क) कुबेरनाथ राय के ललित निबंधों के मूल स्वर

ख) कुबेरनाथ राय के ललित निबंधों में अनार्य भारत

ग) कुबेरनाथ राय के ललित निबंध : निषाद बाँसुरी, उत्तर कुरु, पर्ण मुकुट, चंडी थान, सनातन नदी अनाम धीवर

पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि ललित निबंध – संपा. हिंदी पाठ्यक्रम समिति, मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई

References :

१. साहित्य सहचर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

२. हिंदी गद्य शैली का विकास – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

३. आधुनिक हिंदी साहित्य – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

४. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

५. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी

६. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

७. हिंदी का उद्भव और विकास – विजयेंद्र स्नातक
८. शांतिनिकेतन से शिवालिक तक – डॉ. शिवप्रसाद सिंह
९. ललित निबंध : विधा की बात – डॉ. हूबनाथ पांडेय
१०. ललित निबंध और कुबेरनाथ राय – डॉ. हूबनाथ पांडेय
११. परंपरा का पुरुषार्थ – डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
१२. माटी की महिमा का सनातन राग – डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Women Discourse (स्त्री विमर्श)**
PAPER NO.	**9**
COURSE CODE	**3350515**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) आधी आबादी के प्रति संवेदनशीलता का विकास
ख) स्त्री-पुरुष समानता के आधार की पहचान
ग) लिंग आधारित शोषण व्यवस्था की पड़ताल
क) स्त्री मुक्ति के प्रति संवेदना का विकास.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) स्त्री विमर्श – अवधारणा, अर्थ, स्वरूप
ख) स्त्री विमर्श, नारी वाद, स्त्री मुक्ति
ग) भारतीय समाज में स्त्री

Unit 2 :

क) स्त्री मुक्ति आंदोलन का इतिहास (भारतीय एवं पाश्चात्य)
ख) भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री
ग) स्त्री संबंधी क़ानूनी प्रावधान

MODULE II : **(2 CREDITS)**

Unit 3:

क) साहित्य में स्त्री : ऐतिहासिक विकास

ख) हिंदी स्त्री लेखन की परंपरा

ग) सूरजमुखी अँधेरे के (उपन्यास) – कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Unit 4:

क) दलित – आदिवासी स्त्री लेखन

ख) दोहरा अभिशाप (आत्मकथा) – कौशल्या बैसंत्री, परमेश्वरी प्रकाशन, प्रीतविहार, दिल्ली

ग) बेघर सपने (काव्य संग्रह) – निर्मला पुतुल – आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा

चयनित कविताएँ : माँ, वह जो अक्सर तुम्हारी पकड़ से छूट जाता है, समाज, और तुम बाँसुरी बजाते रहे, मैं मेरा दुःख और समुद्र, कविता, गजरा बेचनेवाली लड़की, स्वर्गवासी पिता के नाम पाती, आखिर कहे तो किससे कहे, आखिर एक सार्थक चीख के पहले की गहराती चुप्पी, ईश्वर से स्त्रियों की माँग, स्त्रियाँ लिखेंगी इतिहास अपना, बेघरों के सपनों से जुड़ा मेरा घर

References :

१. स्त्री उपेक्षिता – सिमोन द बोउवा
२. बाजार के बीच बाजार के खिलाफ़ – प्रभा खेतान
३. स्त्री संघर्ष का इतिहास – डॉ. राधा कुमार
४. स्त्रीत्व का मानचित्र – अनामिका
५. स्त्री विमर्श – रमणिका गुप्ता
६. औरत होने की सज़ा – अरविंद जैन
७. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श – जगदीश्वर चतुर्वेदी
८. स्त्री का समय – क्षमा शर्मा
९. दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर – विमल थोरात
१०. हिंदू स्त्री का जीवन – पंडिता रमाबाई

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Colonial literature & Criticism (उपनिवेशवादी साहित्य और समीक्षा)**
PAPER NO.	**10**
COURSE CODE	**3350516**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) स्वाधीनतापूर्व भारत की सांस्कृतिक अस्मिता तथा राष्ट्रीय संघर्ष की भावना से परिचय

ख) वर्तमान उपनिवेशवादी प्रवृत्तियों का परिचय

ग) साम्राज्यवादी शक्तियों के विरुद्ध भारतीय चिंतन के स्वरों की पहचान

क) भारतीय अस्मिता का सार्थक परिचय.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) उपनिवेशवाद : अवधारणा, अर्थ, स्वरूप, प्रक्रिया

ख) साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद

ग) उपनिवेशवाद और उत्तर उपनिवेशवाद

Unit 2 :

क) उपनिवेशवाद और महात्मा गांधी, फ़्रांट्ज फ़नाँ

ख) उपनिवेशवाद और अंतोनिया ग्राम्शी

ग) उपनिवेशवाद और हिंदी साहित्य

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) एडवर्ड सईद का प्राच्यवाद (Orientalism)
ख) गायत्री स्पीवाक तथा होमी भाभा के सिद्धांत
ग) उपनिवेशवाद और देशीवाद

Unit 4:

क) भारत दुर्दशा (नाटक) – भारतेंदु हरिश्चंद्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
ख) भारत दुर्दशा में उपनिवेशवाद
ग) भारतेंदु हरिश्चंद्र और उपनिवेशवाद

References :

१. राज के स्वराज – रामचंद्र प्रधान
२. कंपनी के काले कारनामे – बलदेव प्रसाद गुप्त
३. देश की बात – गणेश सखाराम देउसकर
४. आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास – सब्यसाची भट्टाचार्य
५. ब्रिटिश राज के वित्तीय आधार – पं. इंद्र विद्यावाचस्पति
६. भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि –
७. हिंद स्वराज – महात्मा गांधी
८. भारत में आर्थिक राष्ट्रवाद का उद्भव और विकास – बिपिन चंद्र
९. भारत में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद – बिपिन चंद्र
१०. उपनिवेशवाद का सामना – इरफान हबीब
११. जिगरी दुश्मन – आशिस नंदी
१२. राष्टवाद बनाम देशभक्ति – आशीस नंदी
१३. The Wretched of the Earth – Frontz Fanon
१४. Nation and Narration – Homi Bhabha
१५. साहित्याची भाषा – भालचंद्र नेमाड़े
१६. Post colonial theory – Leela Gandhi
१७. Orientalism – Edward Said
१८. The Postcolonial Critic – Gayatri Spivak
१९. वर्चस्व और प्रतिरोध – एडवर्ड सईद अनु. रामकीर्ति शुक्ल, नई किताब प्रकाशन शहदरा दिल्ली .

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Philosophy of Literary History (साहित्य का इतिहास दर्शन)**
PAPER NO.	**11**
COURSE CODE	**3350517**
LACTURE	**60**

INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) इतिहास और इतिहासबोध की समझ विकसित करना
ख) इतिहास लेखन की पद्धतियों का परिचय
ग) साहित्येतिहास के माध्यम से अतीत की समझ विकसित करना
क) इतिहास के वर्तमान की समझ विकसित करना

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) इतिहास और साहित्येतिहास
ख) इतिहास दृष्टि और साहित्येतिहास लेखन पद्धति
ग) साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत – विधेयवाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद, आंबेडकरवाद, उत्तर आधुनिकतावाद

Unit 2 :

क) हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ
ख) हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहासों का परिचय
ग) हिंदी साहित्य में काल विभाजन के आधार

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) हिंदी साहित्य के विविध कालों के नामकरण के आधार
ख) साहित्यिक प्रवृत्तियों के अंत:संबंध
ग) हिंदी साहित्येतिहास के सामाजिक परिवेश एवं सांस्कृतिक संदर्भ

Unit 4:

क) साहित्य इतिहास लेखन की समस्याएँ और संभावनाएँ
ख) हिंदी साहित्येतिहास का नारीवादी परिप्रेक्ष्य
ग) हिंदी साहित्येतिहास का मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य

घ) हिंदी साहित्येतिहास का आंबेडकरवादी परिप्रेक्ष्य

References :

१. इतिहास क्या है – ई.एच.कार
२. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श – जगदीश्वर चतुर्वेदी
३. स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधाकुमार
४. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
५. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय
६. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि – राममूर्ति त्रिपाठी
७. मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारीप्रसाद द्विवेदी
८. हिंदी साहित्य – सं. धीरेंद्र वर्मा
९. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य शुक्ल
१०. हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
११. भारतीय साहित्य की भूमिका – डॉ. रामविलास शर्मा
१२. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन : इतिहास तथा सिद्धांत –
१३. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे
१४. स्त्री उपेक्षिता – सिमोन द बोउवा

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Sociology of Literature (साहित्य का समाजशास्त्र)**
PAPER NO.	**12**
COURSE CODE	**3350518**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) साहित्य की सामाजिकता और सामाजिक आधार की समझ
ख) समाज में साहित्य की भूमिका तयकरनेवाले तत्वों की पहचान
ग) समाजशास्त्री सिद्धांतों का परिचय
क) साहित्य की आंतरअनुशासनिक व्याख्या का आधार तय करना.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) साहित्य का समाजशास्त्र – अवधारणा, अर्थ, स्वरूप

ख) साहित्य के समाजशास्त्र की भारतीय परंपरा

ग) साहित्य के समाजशास्त्र की पाश्चात्य परंपरा

Unit 2 :

क) साहित्य के समाजशास्त्रीय अध्ययन का इतिहास

ख) समाजशास्त्र और साहित्य का समाजशास्त्र

ग) साहित्य की सामाजिकता

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ

ख) प्रमुख साहित्यिक समाजशास्त्री – गांधी, लोहिया, आंबेडकर, इपालित अडोल्फ तेन, लूसिए गोल्डमन, रेमंड विलियम्स

ग) उपन्यास का समाजशास्त्र और हिंदी उपन्यास

Unit 4:

क) विधेयवादी साहित्यिक समाजशास्त्र

ख) संरचनावादी साहित्यिक समाजशास्त्र

ग) मार्क्सवादी साहित्यिक समाजशास्त्र

References :

१. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पांडेय

२. साहित्य का समाजशास्त्र : मान्यता और स्थापना – श्रीराम मेहरोत्रा

३. मानव और संस्कृति – श्यामाचरण दूबे

४. समाजशास्त्र – वीरेंद्र प्रकाश शर्मा

५. समाजशास्त्र के सिद्धांत – विद्याभूषण

६. विकास का समाजशास्त्र – श्यामाचरण दूबे

७. तुलनात्मक समाजशास्त्र – आंद्रे बेतें

८. समाजशास्त्रीय चिंतन के आधार – वीरेंद्र प्रकाश शर्मा

९. समाजशास्त्र – सत्यकेतु विद्यालंकार

१०. मार्क्स और पिछड़े हुए समाज – डॉ. रामविलास शर्मा

११. Sociology of literature – Escarpit Robert
१२. Sociology of literature – John hall
१३. The hiden God – Lucien Goldman
१४. Towards A Sociology of Novel - Lucien Goldman
१५. Writing in Society – Raymond Williams

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Modern Hindi Epic (आधुनिक हिंदी महाकाव्य)**
PAPER NO.	**13**
COURSE CODE	**3350519**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) महाकाव्य की भारतीय परंपरा से परिचय
ख) अतीत के गौरव का ज्ञान
ग) भारतीय संस्कृति के गौरव ग्रंथों से परिचय
क) साहित्यिक संवेदना का विकास.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1:

क) महाकाव्य – अर्थ, परिभाषा, स्वरूप
ख) महाकाव्य के प्रमुख तत्त्व
ग) महाकाव्य का ऐतिहासिक विकास

Unit 2 :

क) साकेत (महाकाव्य) – मैथिलीशरण गुप्त (नवाँ सर्ग), लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद.

ख) साकेत की महाकाव्यात्मकता

ग) मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति एवं सृजन

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) कुरुक्षेत्र (महाकाव्य) – रामधारी सिंह दिनकर (चौथ और पाँचवा सर्ग), राजपाल एंड संस, नई दिल्ली

ख) कुरुक्षेत्र की महाकाव्यात्मकता

ग) दिनकर : व्यक्ति एवं सृजन

Unit 4:

क) महाप्रस्थान (महाकाव्य) – नेरश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

ख) महाप्रस्थान की महाकाव्यात्मकता

ग) नेरश मेहता : व्यक्ति एवं सृजन

References :

१. काव्य के रूप – बाबू गुलाबराय

२. हिंदी महाकाव्य का स्वरूप विकास – डॉ. शंभूनाथ सिंह

३. महाकाव्य विवेचन – रांगेय राघव

४. दिनकर (जीवनी) – मन्मथनाथ गुप्त

५. साकेत – मैथिलीशरण गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद.

६. कुरुक्षेत्र – दिनकर, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली.

७. महाप्रस्थान – नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद.

८. सिद्धांत और अध्ययन – बाबू गुलाबराय

९. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

१०. पंत, प्रसाद, मैथिलीशरण – रामधारी सिंह दिनकर

११. कामायनी एक पुर्नविचार – मुक्तिबोध

१२. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेंद्र

१३. आधुनिक कविता का पुर्नपाठ – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Ghazal (ग़ज़ल)**
PAPER NO.	**14**
COURSE CODE	**3350520**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) अत्यंत लोकप्रिय काव्य विधा का परिचय

ख) ग़ज़ल विधा के स्वरूप का परिचय

ग) उर्दू के साहित्य से परिचय कराना

क) ग़ज़ल के वर्तमान परिदृश्य की जानकारी

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) ग़ज़ल – अर्थ, परिभाषा, स्वरूप

ख) ग़ज़ल : उद्भव और विकास

ग) ग़ज़ल संरचना

Unit 2 :

क) हिंदी ग़ज़ल का उद्भव और विकास

ख) दुष्यंत पूर्व हिंदी के प्रमुख ग़ज़लकार का परिचय

ग) अमीर खुसरो, कबीर, भारतेंदु, निराला

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) हिंदी सिनेमा में ग़ज़ल

ख) हिंदी के प्रमुख ग़ज़लकार का परिचय

ग) साए में धूप – दुष्यंत कुमार

Unit 4:

समकालीन हिंदी ग़ज़लकार :

क) कुँवर बेचैन, ज़हीर कुरैशी

ख) अदम गोंडवी, ज्ञान प्रकाश विवेक

ग) हस्तीमल हस्ती, राजेश रेड्डी

पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि हिंदी ग़ज़ल – संपा. हिंदी पाठ्यक्रम समिति, मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई

References :

१. उर्दू भाषा और साहित्य – फ़िराक गोरखपुरी

२. उर्दू साहित्य का इतिहास – रामबाबू सक्सेना

३. बीसवीं शताब्दी में उर्दू साहित्य – गोपीचंद नारंग

४. ग़ालिब और उनका युग – पवन कुमार वर्मा

५. नज़ीर ग्रंथावली – डॉ. नज़ीर पंडित

६. नज़ीर अकबराबादी – प्रकाश पंडित

७. हिंदी ग़ज़ल का आत्मसंघर्ष – सुशिल कुमार

८. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – सैय्यद एहतिशाम हुसैन

९. साठोत्तरी हिंदी ग़ज़ल – डॉ. सादिका नवाब

१०. उर्दू साहित्य में हिंदुस्थानी तहज़ीब – डॉ. ताहिरा परवीन

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**Research Methology (शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया)**
PAPER NO.	**15**
COURSE CODE	**33506**

LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) अनुसंधान का महत्त्व और उसकी उपयोगिता का ज्ञान

ख) अनुसंधान प्रक्रिया की समझ विकसित करना

ग) अनुसंधान प्रवृत्ति का विकास

क) अनुसंधान के विविध पक्षों की जानकारी.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) अनुसंधान का स्वरूप और महत्त्व

ख) अनुसंधान के मूल तत्व

ग) अनुसंधान – वैज्ञानिक, समाज वैज्ञानिक एवं मानविकी अनुसंधान

MODULE I :

Unit 2 :

क) अनुसंधान के प्रकार (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, लोकतात्विक, भाषा केंद्रित, अनुशासनिक, गुणात्मक एवं परिमाणात्मक)

ख) अनुसंधान और आलोचना – परस्पर संबंध तथा भेद

ग) अनुसंधाता के गुण/अहर्ताएँ

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3 :

क) अनुसंधान प्रविधि – ऐतिहासिक, साहित्य शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय तथा भाषा शास्त्रीय प्रविधियाँ

ख) अनुसंधान की प्रक्रिया : विषय चयन, अनुसंधान की समस्या, पूर्ववर्ती संबंधित शोधकार्य की पुनर्निरीक्षण, अनुसंधान की रूपरेखा, स्रोत एवं सामग्री, कंप्यूटर का भाषिक अनुप्रयोग, प्रश्नावली निर्माण, साक्षात्कार, सामग्री का विवेचन-विश्लेषण

ग) पाठानुसंधान : पाठ संपादन, पाठ आधार, पाठ निर्णय, हस्तलेख, मूल लिपि

Unit 4 :

क) शोध प्रबंध की रुपरेखा, शीर्ष पृष्ठ
ख) प्रस्तावना, अध्याय –विभाजन (शीर्षक, उपशीर्षक)
ग) पाद टिप्पणी, परिशिष्ट, संदर्भ सूची (आधार ग्रंथ, सहायक ग्रंथ, पत्र–पत्रिकाएँ, शब्दकोश, वेबसाइट)

References :

१. शोध प्रविधि – डॉ. विजय मोहन शर्मा
२. अनुसंधान प्रक्रिया – सं. डॉ. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक
३. अनुसंधान का विवेचन – डॉ. उदयभानु सिंह
४. अनुसंधान – डॉ. सत्येंद्र
५. साहित्य, सिध्दांत और शोध – डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
६. नवीन शोधविज्ञान – डॉ. तिलक
७. साहित्यिक शोध के सिध्दांत एवं समस्याएँ – डॉ. देवराज उपाध्याय
८. अनुसंधान का स्वरुप – सं. डॉ. सावित्री सिन्हा
९. शोध–प्रविधि और प्रक्रिया – रावत तथा खंडेलवाल
१०. अनुसंधान के मूल तत्व – सं. विश्वनाथ प्रसाद
११. पाठानुसंधान – डॉ. विमलेक्षा कांति
१२. पाठानुसंधान – डॉ. कन्हैया सिंह

Mandatory
SEM II

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**History of Hindi Literature (modern age)** हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
PAPER NO.	**16**
COURSE CODE	**33511**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) आधुनिक भारत के इतिहास और वैचारिक विकास का परिचय.
ख) आधुनिक हिंदी कविता की वैचारिक पृष्ठभमि का ज्ञान.
ग) स्वाधीनतापूर्व भारतीय समाज में साहित्य की भूमिका स्पष्ट करना.
घ) आधुनिक साहित्यिक विधाओं का परिचय प्राप्त करना.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि
ख) आधुनिक काल : अवधारणा और स्वरूप
ग) आधुनिक काल की वैचारिक पृष्ठभूमि

Unit 2 :

क) भारतेंदु युग
ख) द्विवेदी युग
ग) छायावाद

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) प्रगतिवाद और प्रयोगवाद
ख) नई कविता
ग) समकालीन कविता

Unit 4:

क) हिंदी उपन्यास का विकास
ख) हिंदी कहानी का विकास
ग) हिंदी आलोचना का विकास

References :

१. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास – भाग आठ, नौ और दसवाँ, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
२. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
३. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी
४. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
५. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल – श्री नारायण चतुर्वेदी

६. छायावाद – नामवर सिंह
७. आधुनिक हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
८. नई कविता – डॉ. जगदीश गुप्त
९. नई कविता – डॉ. विश्वनाथ तिवारी
१०. समकालीन कविता – डॉ. विश्वनाथ तिवारी
११. छायावाद : पुनर्मुल्यांकन – पंत
१२. आधुनिक हिंदी कविता में काव्यचिंतन – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१३. आधुनिक हिंदी साहित्य प्रवृत्तियां, एवं विमर्श– दत्तात्रय मुरुमकर, साहित्य संस्थान गाजियाबाद

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**Western poetics & criticism** **(**पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन)
PAPER NO.	**17**
COURSE CODE	**33512**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) पाश्चात्य साहित्य चिंतन और दर्शन का परिचय.
ख) विगत दो हजार वर्षों के पाश्चात्य ज्ञान और साहित्य चिंतन के अंत:संबंध का परिचय.
ग) साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचय प्राप्त करना.
घ) साहित्य का आंतरअनुशासनिक अनुशीलन.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

ख) ध्वनि सिद्धांत – स्वरूप, प्रमुख रचनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य
ग) औचित्य सिद्धांत प्रमुख स्थापनाएँ

Unit 2 :

क) डॉ. रामविलास शर्मा
ख) डॉ. नगेंद्र
ग) डॉ. नामवर सिंह

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) मैथ्यू आर्नल्ड – काव्यालोचना, विल्यम वर्डस्वर्थ काव्य चेतना और काव्य भाषा
ख) टी.एस. एलियट – परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण
ग) आई.ए.रिचर्ड्स – व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण

Unit 4:

ख) मनोविश्लेषणवाद
ग) अस्तित्ववाद
g) उत्तर आधुनिकतावाद

References :

1. रस सिद्धांत – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, एडिशन 2019
2. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. भारतीय काव्यशास्त्र : नई व्याख्या – डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद।
4. हिंदी साहित्य समीक्षा – श्रीमूर्ति सुब्रह्मराय, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग।
5. साहित्य समीक्षा – रामरतन भटनागर, किताब महल, इलाहाबाद।
6. साहित्य समीक्षा – कालिदास कपूर, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1921
7. कला की ज़रूरत – राजकमल प्रकाशन–अन्सर्ट फिशर, अनुवाद – रमेश उपाध्याय
8. हिंदी का गद्य पर्व – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. आलोचना और विचारधारा नामवर सिंह –आशीष त्रिपाठी (संपा.), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : आलोचना के नए मानदंड – भवदेय पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. सांस्कृतिक आलोचना और हजारीप्रसाद द्विवेदी –रामकिशोर त्रिपाठी (संपा.), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

15. हिंदी समीक्षा और आचार्य शुक्ल नामवर सिंह –ज्ञानेंनद्र कुमार संतोष (संपा.), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. काव्य परिचय – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, पुस्तक संस्थान 109/ 50–ए, नेहरूनगर, कानपुर।
17. काव्यशास्त्र के मानदंड – रामनिवास गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
18. भारतीय काव्य विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2000
19. साहित्यालोचन के सिद्धांत – रवींद्र कुमार जैन, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली।
20. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
21. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (द्वितीय भाग) – गोविंद त्रिगुणायत, एस चंद एंड कंपनी (प्रा.) लि.
रामनगर, नई दिल्ली।
22. काव्य के तत्व – आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
24. साहित्य विवेचन – क्षेमचंद्र 'सुमन', योगेंद्र कुमार मल्लिक, आत्माराम एंड संस, दिल्ली।
25. साहित्य–विविधा – रमेशचंद्र लवानिया – अमित प्रकाशन, गाजियाबाद।

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**Linguistics** (भाषा विज्ञान)
PAPER NO.	**18**
COURSE CODE	**33513**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) भाषा एवं संप्रेषण के वैज्ञानिक पक्ष की पहचान

ख) हिंदी भाषा के विकास की परंपरा का पड़ताल

ग) भाषिक प्रयुक्तियों की जानकारी

घ) भाषिक कौशल का विकास

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) वाक्य विज्ञान – परिभाषा, अभिहितान्ययवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के भेद, निकटस्थ अवयव, अंत: केन्द्रित और बहि:केन्द्रिक संरचना

ख) अर्थ परिवर्तन – अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

ग) लिपि विज्ञान – भारतीय लिपियों का उद्भव और विकास

Unit 2 :

क) हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ और उनकी विशेषताएं, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय भाषाओँ की विशेषताएं, आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनका वर्गीकरण

ख) हिंदी का भाषिक स्वरूप : हिंदी स्वरों और व्यंजनों का वर्गीकरण

ग) देवनागरी लिपि एवं हिंदी का मानकीकरण

MODULE II : **(2 CREDITS)**

Unit 3:

क) संज्ञा में परिवर्तन के आधार

ख) सर्वनाम विशेषण और क्रिया का रूपांतर

ग) उपसर्ग, प्रत्यय, समास

Unit 4:

क) समाज, संस्कृति और भाषा

ख) भाषा, उपभाषा और बोली

ग) शैली विज्ञान

References :

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2. हिन्दी भाषा और लिपि – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग।
3. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण – श्यामचन्द्र कपूर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – डॉ. संतोष चौधरी, कनक सक्सेना, आस्था प्रकाशन, जयपुर।
8. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
9. हिन्दी व्याकरण – पं. कामता प्रसाद गुरु, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी।
10. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त – डॉ. राम किशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
12. हिन्दी शब्दानुशासन – आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।
13. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. हिन्दी भाषा इतिहास और संरचना – डॉ. हरिश्चंद्र पाठक, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. मानक हिन्दी व्याकरण – डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
16. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
17. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण - डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपूर
18. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपूर

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S)
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)

SEMESTER	II
PAPER NAME	Translation (अनुवाद)
PAPER NO.	19
COURSE CODE	33514
LACTURE	30
INTERNAL ASSESSMENT	50
EXTERNAL ASSESSMENT	50
CREDITS & MARKS	2 & 100

Course outcomes:

क) भाषाओं की प्रकृति का ज्ञान

ख) अनुवाद कौशल का प्रशिक्षण

ग) भारतीय भाषाओं की समृद्धि में योगदान

घ) विविध भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान को संभव बनाना.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) अनुवाद – अवधारणा, परिभाषा, स्वरूप

ख) अनुवाद के सिद्धांत

ग) अनुवाद के प्रकार – कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञान परक, विधिक, वाणिज्यिक

Unit 2 :

क) अनुवादक की अर्हता और अभिलक्षण

ख) अनुवाद प्रशिक्षण के भारतीय संस्थान

ग) यंत्रानुवाद और अनुवाद का भविष्य

References :

१. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी

३. अनुवाद कला – श्री चारुदेव शास्त्री

४. अनुवाद कला : कुछ विचार – आनंद प्रकाश खेमाणी

५. अनुवाद प्रक्रिया – डॉ. रीतारानी पालीवाल

६. साहित्याची भाषा – भालचंद्र नेमाड़े
७. अंग्रेजी – हिंदी व्याकरण – सूरजभान सिंह
८. अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाशचंद्र भाटिया
९. अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा – सुरेश कुमार
१०. मशीनी अनुवाद – ऋषभ जैन
११. अनुवाद भाषाएँ-समस्याएँ – डॉ. ई.विश्वनाथ अय्यर
१२. Computer aided Translation technology – Lynne Bouker
१३. Translation and Understanding – Shailendra kumar singh
१४. अनुवाद का समकाल-डॉ. मोहसिन खान

Elective Any One

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**Folklore** (लोक साहित्य)
PAPER NO.	**20**
COURSE CODE	**3351511**
LACTURE	**60**

INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) मानव और संस्कृति के अंत:संबंध की समझ विकसित करना.

ख) मानव सभ्यता के विकास और उसकी आस्था और विश्वासों की सही जानकारी.

ग) आदिम मानव की संवेदनाओं का ज्ञान.

घ) कला और संस्कृति के विकास में लोक की भूमिका स्पष्ट करना.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1:

क) लोक साहित्य – अवधारणा, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व

ख) लोक साहित्य और लोक संस्कृति

ग) लोक साहित्य के प्रकार

Unit 2 :

क) लोक गीत – संस्कार, व्रत, ऋतु, श्रम

ख) लोक नाट्य – स्वांग, यक्षगान, भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा

ग) लोक गाथा – भारतीय लोकगाथा – लोकगाथाओं का स्वरूप

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) लोक कथा – व्रत कथा, परिकथा, बोध कथा, कथा रुढ़ि

ख) लोकोक्तियाँ

ग) लोक साहित्य और मिथक

Unit 4:

क) लोक साहित्य का समाजशास्त्र

ख) लोक साहित्य और मनोविज्ञान

ग) लोक साहित्य और धर्म

References :

१. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास – भाग सोलहवाँ , नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

२. लोक साहित्य की रुपरेखा – डॉ. दुर्गा भागवत
३. लोक साहित्य – डॉ. सुरेशचंद्र त्यागी
४. लोक साहित्य के प्रतिमान – डॉ. कुंदनलाल उप्रेती
५. लोक साहित्य और संस्कृति – डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
६. मानव और संस्कृति – डॉ. श्यामाचरण दूबे

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**Idealogical backgraund of Hindi literature** (हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि)
PAPER NO.	**21**
COURSE CODE	**3351512**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) साहित्य और विचारधारा के अंत: संबंधों का ज्ञान.
ख) भारतीय चिंतनधारा की समझ का विकास.
ग) वैश्विक सामाजिक-साहित्यिक चिंतन

घ) भारतीय ज्ञान परंपरा की सही समझ.

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) मध्यकालीन जागरण – विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन
ख) जैन और बौद्ध संप्रदाय
ग) मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध

Unit 2 :

क) आधुनिक भारतीय नवजागरण, पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिंदी लोकजागरण
ख) हिंदी नवजागरण – आर्य समाज, फोर्ट विलियम कॉलेज
ग) हिंदी साहित्य : चिंतन – गांधीवाद, मार्क्सवाद, आंबेडकरवाद

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) परंपरा और आधुनिकता
ख) भारतीय संवैधानिक व्यवस्था
ग) दलित एवं आदिवासी चेतना, स्त्री विमर्श, लोकतंत्र, समाजवाद, पंथ-निरपेक्षता

Unit 4:

क) मनोविश्लेषणवाद
ख) अस्तित्ववाद
ग) आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता

References :

१. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
२. वैष्णव भक्ति – आर.जी.भंडारकर
३. भारतीय चिंतन परंपरा – के.दामोदरन
४. आधुनिक भारतीय चिंतन – विश्वनाथ नरवणे
४. साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन – डॉ. निर्मला जैन
५. परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम – पूरनचंद जोशी
६. मनोविश्लेषण – फ्रॉयड
७. मार्क्सवाद – यशपाल
८. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मिकी

९. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – शरणकुमार लिंबाले
१०. आंबेडकर – धनंजय कीर
११. दलित साहित्य : अनुभव, संघर्ष और यथार्थ – ओमप्रकाश वाल्मिकी
१२. दलित साहित्य : दशा और दिशा – दत्ता भगत

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**Creative Writing (सृजनात्मक लेखन)**
PAPER NO.	**22**
COURSE CODE	**3351513**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) सृजनात्मक लेखन के महत्त्व का निरूपण
ख) सृजनात्मक लेखन की सैद्धांतिकी की समझ
ग) सृजनात्मक कौशल का विकास
घ) सृजन के विश्लेषण के सामर्थ्य का विकास

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) सृजनात्मक लेखन – अवधारणा, स्वरूप और दिशाएँ
ख) सृजनात्मक लेखन के संदर्भ – गद्य एवं पद्य
ग) नाट्यलेखन

Unit 2 :

क) काव्य का स्वरूप और उसकी रचना प्रक्रिया

ख) काव्य के विविध भेद और उनका स्वरूप – गीत, ग़ज़ल, मुक्त छंद, लंबी कविता

ग) लेखन की विषय वस्तु का निर्धारण एवं चयन

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) सृजनात्मक लेखन की वैचारिकी

ख) फीचर लेखन – स्वरूप, महत्त्व, क्षेत्र

ग) रेडियो लेखन – रूपक, कथा, संवाद

Unit 4:

क) गद्य की विविध विधाओं के स्वरूप और शिल्प

ख) कहानी लेखन – तत्त्व, प्रक्रिया, शिल्प

ग) संस्मरण, रेखाचित्र और रिपोर्ताज लेखन

References :

१. मीडिया लेखन – सूर्यप्रसाद दीक्षित

२. फ़ीचर लेखन – पुरणचंद टंडन

३. लेखन कला – डॉ. आबिद अली संदीप कुमार

४. पत्रकारिता : सर्जनात्मक लेखन और रचना प्रक्रिया – अरुण कुमार भगत

५. अभिव्यक्ति और माध्यम – एनसीआरटी

६. सृजनात्मक लेखन – राजेंद्र मिश्र

७. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम

८. Creating the creative writers – Henry Harvin

९. On Poetry – Jonathan Davidson

१०. Feel free – Zadie smith

११. Bird by Bird – Anne Lamot

१२. A Technique for Producing Ideas – James Webb Young

१३. Find Your Voice – Angie Thomas

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**Comparative Literature (तुलनात्मक साहित्य)**
PAPER NO.	**23**
COURSE CODE	**3351514**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) साहित्य की व्यापकता का ज्ञान

ख) साहित्य के अंत:संबंधों की पड़ताल

ग) साहित्यानुवाद कौशल का महत्त्व

घ) संवेदना का विस्तार

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) तुलनात्मक साहित्य – अवधारणा, अर्थ, स्वरूप, महत्त्व

ख) तुलनात्मक साहित्य की पाश्चात्य परंपरा

ग) तुलनात्मक साहित्य की भारतीय परंपरा

Unit 2 :

क) तुलनात्मक साहित्य का उद्भव और विकास

ख) तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न संप्रदाय – फ्रांसीसी, अमेरिकी, जर्मन

ग) तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) रेने वेलेक और तुलनात्मक साहित्य
ख) तुलनात्मक साहित्य – भारतीय साहित्य
ग) तुलनात्मक साहित्य – विश्व साहित्य

Unit 4:

क) प्रेमचंद गोर्की एवं लूशुन का कथा साहित्य
ख) प्रेमचंद और गोर्की की कथाओं का तुलनात्मक अध्ययन
ग) प्रेमचंद और लूशुन की कथाओं का तुलनात्मक अध्ययन

References :

१. प्रेमचंद, गोर्की और लू शुन का कथा साहित्य – फणीश सिंह
२. कलम का सिपाही – अमृत राय
३. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – इंद्रनाथ चौधुरी
४. साहित्य सिद्धांत – रेने वेलेक – ऑस्टिन वारेन
५. तुलनात्मक साहित्य – सं. डॉ. नगेंद्र
६. भारतीय साहित्य का समेलित इतिहास – डॉ. नगेंद्र
७. भारतीय साहित्य – सं. अज्ञेय
८. आलोचना की अवधारणाएँ – रेने वेलेक
९. शोध और सिद्धांत – डॉ. नगेंद्र
१०. Comparative literature : Theory and Practice – Amiya Dev, Shishir Kumar
११. The Concept of Indian literature – V.K.Gokak
१२. Comparative literature theory – R.K.Dhavan

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)

SEMESTER	II
PAPER NAME	**Social Media** (सोशल मीडिया)
PAPER NO.	24
COURSE CODE	3351515
LACTURE	60
INTERNAL ASSESSMENT	50
EXTERNAL ASSESSMENT	50
CREDITS & MARKS	4 & 100

Course outcomes:

क) सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में हिंदी की भूमिका स्पष्ट करना

ख) सूचना प्रौद्योगिकी की प्रविधि एवं प्रक्रिया की जानकारी

ग) रोजगारपरक हिंदी के विकास की संभानाएं तलाशना

घ) सोशल मीडिया की सामाजिकता की पड़ताल

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) सोशल मीडिया का स्वरूप, प्रकार और विकास

ख) फेसबुक, व्हाट्सअप, ट्विटर, मैसेन्जर, इन्स्टाग्राम में हिंदी, ब्लोगिंग और हिन्दी

ग) सोशल नेटवर्किंग साइट और विज्ञापन, एफ.एम. रेडियो और हिंदी

Unit 2 :

क) सोशल मीडिया के प्रभाव (राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, युवाओं पर, बच्चों पर, महिलाओं और वृद्धों पर प्रभाव)

ख) मुक्त अभिव्यक्ति और सोशल मीडिया

ग) सोशल मीडिया की प्रचलित भाषा, समाज और संस्कृति के अंतप्रभाव

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) सोशल मीडिया और कानून

ख) सोशल मीडिया की प्रचलित भाषा, समाज और संस्कृति के अंतर्प्रभाव

ग) सोशल मीडिया की उपयोगिता एवं उपलब्धियाँ

Unit 4:

क) सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रसार और प्रयोग

ख) सोशल मीडिया समस्याएँ

ग) सोशल मीडिया चुनौतियाँ और सीमाएँ

References :

1. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद – संपादक: संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
2. नए ज़माने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ला, विस्डम विलेज पब्लिकेशन्स, गुड़गांव एवं दिल्ली।
4. उत्तरआधुनिक मीडिया तकनीक – हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता – कृष्ण कुमार रत्तू, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी।
6. कम्प्युटरी सूचना प्रणाली का विकास – राम बंसल,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. जनसंचार के सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. रामलखन मीणा, कल्पना पब्लिशर, दिल्ली।
8. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया – मधुकर लेले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग – विष्णु राजगढ़िया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. संचार माध्यम लेखन – गौरीशंकर रैना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. जनसंचार माध्यमों में हिंदी – चंद्रकुमार, क्लासिक पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।
12. आधुनिक जनसंचार और हिंदी – डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. मीडिया समग्र – डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14.जनसंचार और मीडिया लेखन-दत्तात्रय मुरुमकर, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**Applied Linguistics** **(अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान)**
PAPER NO.	**25**
COURSE CODE	**3351516**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) भाषा के अनुप्रयोग की जानकारी

ख) भाषिक प्रयुक्तियों विविध क्षेत्रों का संज्ञान

ग) भाषा के आंतरअनुशासनिक स्वरूप का अध्ययन

घ) भाषा शिक्षण के कौशल की पहचान

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : अवधारणा, स्वरूप, महत्त्व

ख) अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान – परिभाषा और इतिहास

ग) अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान के क्षेत्र – व्यतिरेकी विश्लेषण, शैली विज्ञान, मनोभाषिकी विमर्शगत विश्लेषण, शैक्षिक भाषा विज्ञान

Unit 2 :

क) भाषा शिक्षण – प्रशिक्षण

ख) भाषा और भाषिक व्यवहार

ग) साहित्य का भाषिक आधार

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) व्यतिरेकी भाषा विज्ञान

ख) भाषा और भाषिक व्यवहार

ग) साहित्य का भाषिक आधार

Unit 4:

क) शैक्षिक भाषा विज्ञान

ख) शैली विज्ञान

ग) व्याकरण, भाषिक कौशल एवं मूल्यांकन

References :

१. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

२. आधुनिक भाषा विज्ञान – मिलिंद मालशे

३. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

४. शैली विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
५. भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
६. भाषा – ब्लूम फील्ड
७. भाषा विज्ञान – डॉ. मंगलदेश शास्त्री
८. Applied Linguistics – Ed. Norbert Schmitt
९. Sociolinguistics – Roger Bell
१०. Language and mind – Noam Chomskey

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**The technique of Documentary and Short film making** **(वृत्तचित्र एवं लघु फ़िल्म निर्माण एवं प्रविधि**
PAPER NO.	**26**
COURSE CODE	**3351517**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) न्यूनतम साधनों के फ़िल्म कला का रोजगार परक अध्ययन
ख) समय का दस्तावेज़ीकरण
ग) सामाजिक- सांस्कृतिक विषयों का यथा तथ्य निरूपण
घ) फ़िल्म निर्माण कला का शिक्षण एवं प्रशिक्षण

MODULE I : **(2 CREDITS)**

Unit 1 :

क) वृत्तचित्र – अवधारणा, स्वरूप, महत्त्व

ख) वृतचित्र – विषय चयन एवं लेखन

ग) वृत्तचित्र – पटकथा लेखन

Unit 2 :

क) वृत्तचित्र निर्माण के सिद्धांत

ख) निर्देशन एवं छायाचित्रण

ग) संपादन एवं ध्वनि मुद्रण

MODULE II : **(2 CREDITS)**

Unit 3:

क) लघु फ़िल्म – अवधारणा, स्वरूप, महत्त्व

ख) लघु फ़िल्म की विषय वस्तु

ग) लघु फ़िल्म लेखन

Unit 4:

क) लघु फ़िल्म की पटकथा एवं संवाद लेखन

ख) लघु फ़िल्मों का निर्देशन एवं छायाचित्रण

ग) संपादन एवं ध्वनि मुद्रण

References :

१. पटकथा लेखन – मनोहर श्याम जोशी

२. विषय चलचित्र – सत्यजित राय

३. Making short films – Clifford Thurlow

४. The basic of film making – Blain Brown

५. The Film makers eye – Gustavo Mercado

६. Making Movies – Sydney Lumet

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	Information Technology in Hindi (सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)
PAPER NO.	**27**
COURSE CODE	**3351518**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) सोशल मीडिया की सामाजिकता की पड़ताल

ख) सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में हिंदी की भूमिका स्पष्ट करना

ग) सूचना प्रौद्योगिकी की प्रविधि एवं प्रक्रिया की जानकारी

घ) रोजगारपरक हिंदी के विकास की संभानाएं तलाशना

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) सूचना प्रौद्योगिकी : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

ख) कम्प्युटर पर हिन्दी में कामकाज का परिचय (हिन्दी फॉन्ट, कम्प्युटर पर आधारित हिन्दी के सॉफ्टवेयर)

ग) गूगल अनुवाद उपयोगिता, समस्याएँ और सीमाएँ

Unit 2 :

क) **इन्टरनेट और हिन्दी** (हिन्दी में ईमेल, नेट पर हिन्दी विज्ञापन, नेट पर हिन्दी समाचार चैनल, हिन्दी की साहित्यिक ई-पत्रिकाएँ, गैर साहित्यिक हिन्दी की वेबसाइट)

ख) संचार माध्यम और रोजगार की संभावनाएँ

ग) **प्रिन्ट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विकास, कठिनाइयाँ और उपयोगिता**

MODULE II : **(2 CREDITS)**

Unit 3:

क) भारत में डिज़िटलाइज़ेशन का विकास, कठिनाइयाँ और उपयोगिता

ख) सूचना प्रौद्योगिकी की जीवन में सकारात्मक एवं नकारात्मक भूमिका

ग) सूचना प्रौद्योगिकी हिन्दी भाषा, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और वैश्विक प्रसार और प्रयोग

Unit 4:

क) सूचना प्रौद्योगिकी का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान

ख) सूचना प्रौद्योगिकी का महत्त्व, आवश्यकता और उपयोगिता

ग) सूचना प्रौद्योगिकी समस्याएँ, सीमाएँ और चुनौतियाँ

References :

1. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र – रवीन्द्र शुक्ल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सूचना प्रौद्योगिकी और जन-माध्यम – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सोशल मीडिया में साहित्य का बदलता स्वरूप –आरती सिंह, डॉ. विभा ठाकुर (सं.), स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. मीडिया लेखन – सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मीडिया लेखन कला – निशांत सिंह, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
6. आधुनिक जन-संचार और हिन्दी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. मीडिया और हिन्दी भाषा का स्वरूप – डॉ. मनीष गोहिल, साधना प्रकाशन, कानपुर।
8. मीडिया कालीन हिन्दी स्वरूप एवं संभावनाएँ– डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाश, दिल्ली।
9. कंप्यूटर और हिन्दी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी– डी. डी. ओझा, सत्यप्रकाश, ज्ञान गंगा प्रकाशन, दिल्ली।
11. जनसंचार का समाजशास्त्र – लक्ष्मेंद्र चोपड़ा, आधार प्रकाशन, पंचकुला।
12. जनसंचार एवं समाज – डॉ. मोनिका नागोरी, अंकुर प्रकाशन, उदयपुर।
13. संचार से जनसंचार और जनसम्पर्क तक – बलवीर कुंदरा, के. के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
14. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सायबर पत्रकारिता – राकेश कुमार, श्री. नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

15. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी – सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. समकालीन भारत एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर।
17. जनसंचार माध्यम भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी, श्री. नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. इंटरनेट पत्रकारिता – सुदेश कुमार, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन – डॉ. हरीश अरोड़ा, के. के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
20. मीडिया और साहित्य – डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।
21. मीडिया के बदलते तेवर – अनामीशरण बबल, श्री. नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
22. वेब पत्रकारिता – श्याम माथुर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
23. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी – चन्द्र कुमार, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।
24. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – डॉ. सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर।
25. विकास संचार एवं नयी सूचना प्रौद्योगिकी – डॉ. सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर।
26. सोशल मीडिया के विविध आयाम – सं. डॉ. मोहम्मद फरियाद, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
27. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।

NAME OF PROGRAM	M.A.(C.B.C.S).
NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**Cinema Studies (सिनेमा अध्ययन)**
PAPER NO.	**28**
COURSE CODE	**3351519**
LACTURE	**60**
INTERNAL ASSESSMENT	**50**
EXTERNAL ASSESSMENT	**50**
CREDITS & MARKS	**4 & 100**

Course outcomes:

क) बेहद लोकप्रिय कला का सामान्य परिचय

ख) सिनेमा आस्वादन की बुनियाद रखना

ग) सिनेमा के विविध अंगों का परिचय

घ) सिनेमा के माध्यम से समाज और संस्कृति की पहचान

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) सिनेमा कला : सामान्य परिचय

ख) सिनेमा का उद्भव और विकास

ग) विश्व सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास

Unit 2 :

क) भारतीय सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास

ख) सिनेमा निर्माण की प्रक्रिया

ग) सिनेमा के विविध प्रकार

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) भारतीय सिनेमा की विभूतियाँ
ख) कथा – पटकथा – संवाद
ग) निर्देशन और निर्देशक

Unit 4:
क) अभिनय और अभिनेता
ख) गीत एवं संगीत
ग) छायाचित्रण एवं संपादन

References :
१. नये दौर का सिनेमा – प्रियदर्शन
२. फ़िल्म निर्देशन – कुलदीप सिन्हा
३. भारतीय सिने सिद्धांत – डॉ. अनुपम ओझा
४. टेलीफ़िल्म निर्माण कला – विवेकानंद
५. समांतर सिनेमा – डॉ. हूबनाथ पांडेय
६. हिंदी फ़िल्मों का संक्षिप्त इतिहास – दिलचस्प
७. इक्कीसवीं सदी का हिंदी सिनेमा – डॉ. निर्मला भारती
८. कथा, पटकथा, संवाद – डॉ. हूबनाथ पांडेय
९. सिनेमा, समाज, साहित्य – डॉ. हूबनाथ पांडेय

NAME OF THE COURSE	M.A.(Hindi)
SEMESTER	II
PAPER NAME	Hindi Official Language (राजभाषा हिंदी)
PAPER NO.	29
COURSE CODE	3351520
LACTURE	60
INTERNAL ASSESSMENT	50
EXTERNAL ASSESSMENT	50
CREDITS & MARKS	4 & 100

Course outcomes:

क) हिंदी के सामर्थ्य की पहचान

ख) राजभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका की पहचान

ग) राजभाषा के निरंतर बढ़ते प्रयोग का आकलन

घ) हिंदी के एक नए और मानक रूप से परिचय

MODULE I : (2 CREDITS)

Unit 1 :

क) हिंदी भाषा के विविध रूप – राष्ट्र भाषा, राज भाषा, जन भाषा

ख) राजभाषा : अवधारणा एवं स्वरूप

ग) स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी

Unit 2 :

क) हिंदी, उर्दू, दकनी, दख्खिनी, हिंदुस्तानी

ख) संविधान सभा में हिंदी विमर्श

ग) राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति

MODULE II : (2 CREDITS)

Unit 3:

क) राजभाषा अधिनियम १९६३

ख) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति

ग) राजभाषा और भाषा प्रौद्योगिकी

Unit 4:

क) हिंदी ई-टूल्स : सामान्य परिचय

ख) मशीनी अनुवाद : सीमा और संभावना
ग) राजभाषा हिंदी का भविष्य

References :

१. राजभाषा हिंदी – डॉ. भोलानाथ तिवारी
२. राजभाषा हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया
३. राजभाषा हिंदी विविध आयाम – राजबीर सिंह
४. भारत का संविधान – सुभाष कश्यप
५. हिंदी में हम – अभयकुमार दूबे
६. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
७. भारत के भाषा परिवार और हिंदी – रामविलास शर्मा
८. भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा
९. हिंदी की ऊर्जा – डॉ. रघुवीर
१०. भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश – रामविलास शर्मा
११. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी – रामविलास शर्मा

लिखित परीक्षा PG हिंदी MA- SEM – I&II

प्रश्नपत्र प्रारूप –

एक पाठ्यपुस्तक आधारित प्रश्नपत्र में –

क) जिन प्रश्नपत्रों में सिर्फ़ एक पाठ्य पुस्तक है –

१. दो व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से एक हल करना है
प्रति व्याख्या अंक 10 10x1 = 10
२. दीर्घोत्तरी प्रश्न – आंतरिक विकल्प सहित

दो प्रश्न पूछे जाएँगे प्रतिप्रश्न अंक होंगे 15x2 = 30

३. एक वाक्य में उत्तर
कुल 5 प्रश्न प्रत्येक 01 अंक का – 05

४. बहुविकल्पीय प्रश्न 05
कुल 5 प्रश्न प्रत्येक 01 अंक का

कुल अंक 50

****

दो पाठ्यपुस्तक आधारित प्रश्नपत्र में –

ख) जिन प्रश्नपत्रों में दो पाठ्यपुस्तकें हैं –

१. दो व्याख्याएँ आंतरिक विकल्प सहित
प्रति व्याख्या अंक 10 10x2 = 20

२. दीर्घोत्तरी में कुल चार प्रश्न होंगे दो हल करने हैं
प्रति प्रश्न अंक 10 10x2 = 20

३. एक वाक्य में उत्तर
कुल 5 प्रश्न प्रत्येक 01 अंक का – 05

४. बहुविकल्पीय प्रश्न 05
कुल 5 प्रश्न प्रत्येक 01 अंक का

कुल अंक 50

****

तीन पाठ्यपुस्तक आधारित प्रश्नपत्र में –

क) कुल 3 संदर्भ पूछे जाएंगे जिनमें से 2 की व्याख्या के उत्तर अपेक्षित हैं।
प्रति व्याख्या अंक 10 10x2 = 20

ख) कुल 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 2 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

प्रति प्रश्न अंक 10 10x2 = 20

ग) एक वाक्य में उत्तर लिखें।
कुल 5 प्रश्न प्रत्येक 01 अंक का– *05*

घ) **बहुविकल्पीय प्रश्न 05**
01 अंक के 05 प्रश्न– *05*

कुल अंक 50

****

प्रश्नपत्र प्रारूप –

Table:

Letter Orades and Grado Points:

SemesterGPA/ ProgramCGPA Semester / Program	% of Marks	Alpha – Sign/Letter Grade Result
9.00-10.00	90.0-100	O (Outstanding)
8:00-<9.00	80.0-<90.0	A+ (Excellent)
7.00-<8.00	70.0-<80.0	A (Very Good)
6.00-<7.00	60.0-<70.0	B+ (Good)
5,50-<6.00	55.0-<60.0	B(Above Average)
5.00-<5.50	50.0-<55.0	C (Average)
4.00-<5.00	40.0-<50.0	P (Pass)
Below 4.00	Below 40	F (Fail)
Absent		Absent

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में-

क) **कुल 4 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से 2 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।**

1 प्रश्न 15 अंक

2 प्रश्न 15 अंक

\- *कुल अंक 15×2=30*

ख) **कुल 4 टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी जिनमें से 2 के उत्तर अपेक्षित है।**

कुल अंक 5×2 = 10

ग) **एक वाक्य में उत्तर लिखें।**

कुल 5 प्रश्न प्रत्येक 01 अंक का- *05*

घ) **बहुविकल्पीय प्रश्न 05**

01 अंक के 05 प्रश्न- 05

कुल अंक 50

****

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा-

प्रकल्प - 25 अंक

प्रस्तुति - 15 अंक

शिक्षण सहभागिता, आचरण, व्यवहार 05 अंक

कक्षा में उपस्थित 05 अंक

कुल अंक 50

****

Syllabus

M.A. (Hindi) (Sem. I & II)

Team for Creation of Syllabus

Name	College Name	Sign
Prof. Dr. Dattatraya Murumkar	Hindi department, University of Mumbai	
Prof. Dr. Karunashankar Upadhyay	Hindi department University of Mumbai	
Prof. Dr Hubnath Pandey	Hindi department University of Mumbai	
Prof. Dr. Manpreet Kaur	Guru Nanak College, GTB Nagar	
Prof. Dr. Mohsin Khan	JSM College, Alibag	

Prof. Dr. Santosh Motwani	RKT College, Ulhasnagar	
Dr. Sachin Gapat	Hindi department University of Mumbai	
Dr. Sunil Valvi	Hindi department University of Mumbai	
Dr. Zelam Zende	Veer Vajekar College, Phonde	
Prof. Mahesh Bhopale	Patangrao Kadam College, Pen	

Sign of HOD

Name of the Head :
Professor Dattatraya Murumkar

Name of the Department :
Hindi department

Sign of Dean

Name of the Dean :
Professor Anil Kumar Singh

Name of the Faculty :
Humanities

Appendix B

Justification for M.A. in (Hindi)

1.	Necessity for starting the course:	**As Hindi is the largest spoken language of India and main language of entertainment and advertisement industry of the country. The knowledge and proficiency in this language is very woeful for the students and Hindi has 1300 years long history, so to understand in socio-culture aspects of a large hindi belt and rest of India the study of Hindi language and literature has great importance.**
2.	Whether the UGC has recommended the course:	**Yes**
3.	Whether all the courses have commenced from the academic year 2023-24	**Yes**
4.	The courses started by the University are self-financed, whether adequate number of eligible permanent faculties are available?:	**Yes**

5.	To give details regarding the duration of the Course and is it possible to compress the course?:	**P.G. Diploma. One year** **M.A. = Two year** **Not possible to compress the course**
6.	The intake capacity of each course and no. of admissions given in the current academic year:	**120**
7.	Opportunities of Employability / Employment available after undertaking these courses:	**Hindi has great employability because of his rich tradition and information, entertainment and language based jobs across the country. All the government jobs central and state, all the completion exams and special language only field of official language only hindi has job opportunity.**

Sign of HOD

Name of the Head :
Professor Dattatraya Murumkar

Name of the Department :
Hindi department

Sign of Dean

Name of the Dean :
Professor Anil Kumar Singh

Name of the Faculty :
Humanities